विषय - हिंदी (सेमेस्टर - 2)
[वस्तुनिष्ठ प्रश्न]

मनोहर ठाकुर
हिंदी - विभाग
आदर्श कॉलेज राजधनवार

[1] भारतेन्दु युग की समय सीमा इनमें से क्या है ?
(क) 1918 - 1936 ई. (ख) 1857 - 1900 ई.
(ग) 1900 - 1918 ई. (घ) 1800 - 1850 ई.

[2] भारतेन्दु जी का जीवन काल कुल कितने वर्ष का था ?
(क) 30 वर्ष (ख) 34 वर्ष (ग) 35 वर्ष (घ) 40 वर्ष

[3] हिंदी साहित्य को नवीन विषयों की ओर प्रवृत्त करने का श्रेय किस लेखक को दिया जाता है ?
(क) प्रेमचंद (ख) भारतेन्दु (ग) प्रसाद (घ) मोहन राकेश

[4] इनमें से कौन-सा नाटक भारतेन्दु जी का नहीं है ?
(क) विद्यासुंदर (ख) नीलदेवी (ग) अन्धेर नगरी (घ) प्रेमजोगिनी

[5] 'विषस्य विषमौषधम्' नाटक के रचयिता कौन हैं ?
(क) प्रसाद (ख) निराला (ग) मोहन राकेश (घ) भारतेन्दु

[6] 'देशभक्तमाल' के रचयिता कवि कौन हैं ?
(क) प्रेमघन (ख) प्रेमचंद (ग) भारतेन्दु (घ) राधाचरण गोस्वामी

[7] 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल'
यह पंक्ति किस कवि की है ?
(क) मैथिलीशरण गुप्त (ख) भारतेन्दु जी
(ग) माखनलाल चतुर्वेदी (घ) प्रताप नारायण मिश्र

[8] इनमें से कौन-सी प्रवृत्ति भारतेन्दु काल की है ?
(क) भाषा में लाक्षणिकता (ख) समस्या पूर्ति
(ग) इतिवृत्तात्मकता (घ) संस्कृत पद्धति शब्दों का प्रयोग

[9] भारतेन्दु जी ने किसका संस्कार किया ?
(क) गद्य की भाषा का (ख) पद्य की ब्रज भाषा का
(ग) दोनों का (घ) किसी का नहीं

[10] हिंदी गद्य का जनक किसे माना जाता है ?
(क) राजा लक्ष्मण सिंह (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ग) गोकुलनाथ (घ) भारतेन्दु जी

Teacher's Signature.....

Scanned by CamScanner

लघुत्तरीय प्रश्न

प्रश्न - भारतेन्दु युग ?

उत्तर - आधुनिक काल को कई उपविभागों में विभक्त किया गया है। डॉ. नगेन्द्र के अनुसार ये उपविभाग निम्नवत हैं :-

(i) पुनर्जागरण काल (भारतेन्दु युग) - 1857 ई. - 1900 ई.
(ii) जागरण सुधार काल (द्विवेदी युग) - 1900 ई. - 1918 ई.
(iii) छायावादी युग
(iv) छायावादोत्तर काल

उक्त वर्गीकरण वाक्य की दृष्टि से है। गद्य में हुए विकास को अलग ढंग से समझा जा सकता है। आधुनिक काल के प्रथम चरण को भारतेन्दु काल कहना इसलिए उपयुक्त है क्योंकि यह नामकरण भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के महिमामण्डित व्यक्तित्व को ध्यान में रख कर किया गया। भारतेन्दु जी का रचनाकाल सन् 1850 ई. से 1885 ई. तक रहा है।

महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका का सम्पादन 1903 ई. में संभाला था सरस्वती का प्रकाशन सन् 1900 ई. से प्रारंभ हुआ था अतः 1850 ई. से 1900 ई. तक की अवधि को भारतेन्दु युग कहना समीचीन है।

*

[वस्तुनिष्ठ उत्तर]

(1) — (ख)
(2) — (ग)
(3) — (ख)
(4) — (क)
(5) — (घ)
(6) — (घ)
(7) — (ख)
(8) — (ख)
(9) — (ग)
(10) — (घ)

Teacher's Signature.....

Scanned by CamScanner